टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट उद्योग को मिलेगी संजीवनी

भारत-अमेरिका ट्रेड डील

- उद्यमियों ने कहा, पिछले छह महीनों से निर्यात में आई गिरावट में होगा सुधार
- समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की बढ़ती क्षमता को है दर्शाती
- धागा से लेकर रेडीमेड गारमेंट तक बढ़ेगा कारोबार, उद्योगों को होगा फायदा

जासं, गोरखपुर : अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर टैरिफ कम करने की घोषणा ने पूर्वांचल के औद्योगिक परिदृश्य में नई ऊर्जा भर दी है। यद्यपि गोरखपुर से सीधे तौर पर अमेरिका को उत्पाद निर्यात नहीं होते, किंतु परोक्ष रूप से यह निर्णय स्थानीय टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट उद्योग के लिए मील का पत्थर साबित होगा। गोरक्षनगरी के उद्योगपतियों का मानना है कि समझौता और अमेरिकी टैरिफ में कमीसे देश की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। पिछले छह महीनों से वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निर्यात में जो गिरावट दर्ज की गई थी, अब उसमें फिर से तेजी आने की संभावना है।

वैसे, गोरखपुर से सीधे तौर पर अमेरिका को किसी उत्पाद का निर्यात नहीं किया जाता, लेकिन यहां का रेडीमेड गारमेंट और टेक्सटाइल उद्योग राष्ट्रीय आपूर्ति चेन से काफी मजबूती से जुड़े हुए हैं। गोरखपुर में तैयार रेडीमेड गारमेंट बेंगलुरु और दिल्ली जैसे बड़े हब को भेजे जाते हैं, जहां से इनका निर्यात अमेरिका और अन्य देशों में होता है। इसके अलावा गोरखपुर के टेक्सटाइल उद्योगों में तैयार होने वाला धागा देश के विभिन्न राज्यों में जाता है, जहां उससे कपड़े और रेडीमेड गारमेंट बनते हैं। अमेरिकी टैरिफ में कमी के बाद इन उत्पादों की मांग बढ़ने से गोरखपुर के उद्योगों को परोक्ष रूप से बड़ा लाभ मिलेगा। साथ ही, गोरक्षनगरी के उद्यमियों का यह भी कहना है कि यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है।

इस समझौते से हम अमेरिका के साथ पुरानी स्थिति में आ गए हैं। यूरोपीय यूनियन के साथ समझौता भारतीय उद्योगों को बोनस के रूप में मिल गया है। टैरिफ कम होने से अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी, जिसका लाभ पूरे सप्लाई चेन को मिलेगा। वर्तमान में भारत के निर्यात और आयात के बीच जो बड़ा अंतर है, वह इस समझौते के बाद कम होगा। अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की पहुंच आसान होने से देश की जीडीपी में भी बढ़ोतरी सुनिश्चित है।

यह समझौता भारत की कूटनीतिक और आर्थिक मजबूती का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने वैश्विक व्यापार में अपनी शर्तों पर समझौते किए हैं। टैरिफ में कमी से न केवल निर्यात बढ़ेगा बल्कि निवेशकों का भरोसा भी मजबूत होगा। इससे स्टील, टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों को नई ऊर्जा मिलेगी और भारत की जीडीपी ग्रोथ को सहारा मिलेगा। इससे न केवल आर्थिक विकास को गति मिलेगी बल्कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में भी मदद मिलेगी। -**चंद्र प्रकाश अग्रवाल**, प्रबंध निदेशक, गैलेंट इस्पात

अमेरिका के साथ ट्रेड समझौता काफी फायदेमंद साबित होगा। पिछले कुछ महीनों से निर्यात में आई गिरावट ने उद्योगों को चिंता में डाल दिया था। गोरखपुर के टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट उद्योग देश के बड़े निर्यात केंद्रों को कच्चा माल और तैयार उत्पाद भेजते हैं। मांग बढ़ने से यहां उत्पादन बढ़ेगा, जिससे छोटे और मध्यम उद्योगों को मजबूती मिलेगी। समझौते से हम अमेरिका के साथ पहले वाली स्थिति में आ गए हैं। वहीं यूरोपियन यूनियन के साथ समझौता बोनस की तरह है।

-**अशोक जालान**, प्रबंध निदेशक, अंकुर उद्योग

अमेरिका जैसे बड़े बाजार में टैरिफ कम होना भारतीय उद्योगों के लिए बड़ा अवसर है। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की बढ़ती क्षमता को दर्शाती है। वहीं, टैरिफ कम होने से अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी, जिसका लाभ पूरे सप्लाई चेन को मिलेगा। वर्तमान में भारत के निर्यात और आयात के बीच जो बड़ा अंतर है, वह इस समझौते के बाद कम होगा। अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की पहुंच आसान होने से देश की जीडीपी में भी बढ़ोतरी सुनिश्चित है।

-**ओमप्रकाश जालान**, निदेशक, जालान कान कास्ट लिमिटेड

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर टैरिफ कम करने की हालिया घोषणा ने पूर्वांचल के औद्योगिक परिदृश्य में नई ऊर्जा भर दी है। यद्यपि गोरखपुर से सीधे तौर पर अमेरिका को उत्पाद निर्यात नहीं होते, किंतु परोक्ष रूप से यह निर्णय स्थानीय टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट उद्योग के लिए मील का पत्थर साबित होगा। पिछले छह महीनों से वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निर्यात में जो गिरावट दर्ज की गई थी, अब उसमें फिर से तेजी आने की संभावना है। साथ ही भारत के निर्यात और आयात के बीच का अंतर कम होगा।

-**एसके अग्रवाल**, पूर्व अध्यक्ष, चैंबर आफ इंडस्ट्रीज